य स

मुपरीने गुर्भ था अपिता निका निका में अपिता निका में भी कि स्वास मारा स्वास स्वास मारा स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास श्वमडमाधी। १४ गर्याहिष्यहिष्य उत्तर्धना अत्याना भया बीयमा वीगिरेवधने बर्गिरायनारिडाग्डाडिजय्डियवम्यवाग्रींग्रेथनराय्यस्य वरायुन्ववीचे उनीभ युभाभागवामी। या भागविमें या निवादी या निवादी प्रयुक्त ना भी। वेडीभगवन रहनित्व सह गरिनि मलस मुत्र शैकी गराभयां भरता है म्या से ब ि शिउरं मुखर शीमा मृदि नामवी असा वन राष्ट्रिया विते मन्ति वा को गर्म समाप्रत्रमीयमा वे उ उ क्या विवास विव ात्रिसम् तर्वन हत्रडेवउत्वभभयग्हतवीतेगभित्युसंमुहरूआडेपम्नमंडभेय्वभभ भूवाविसी रोग्यवभयी ववस्थिम बीववी यं डार्रिया रहे अगवीं भी उनसे थावनस्क्रेनेथेडातनथडरावेडराविन्ग्वी। ११।।।उनब्बर्भ बस्याव

ਣਯੋਮੀਹੈਮਮਰੇਸ਼ਾਮਅਕ ਅਪਰਾਫ਼ ਆਪਕਰਿਸਮ ਹਰਦੇਵਰਦ ਸਾਂ। 1010 ਰਪਵਰਤਅਧਰਮਹੇਤਸ਼ਰਸਰਮਤਜੇਤਿਦਆਂਈਂਆਬਅਧਰਮਅਬਬਹੀਜਾਤਹੈਕ ° स्उवमत्रग्रामंशीं ग्वाह्तर्स्य सम्याववर्षे वेष्ट्रमेला वा विवेच स्थारित माब्रिडां वीडीवाडिवमाहिडनावाण 7 गरीते ववेलवाहियतडां हथात प्राणित ਨਕਤਮਕ**ੂ**ਜੇ । ਗਵਨਹਰੀ ਭਿਹਾਰੀ ਘਾਰੀ ਤੇ ਹਸਰ ਦਵਦੁਤਦਹੀ ਯੋ। ਸਾਰਸ ਹੈ ਸਪ ਸੰਸੀਹਿਸੀ ਸੰਗ੍ਰੇਸ਼ਅਨਅਵਤੇਸੀ' ਗੇਦਾਵ ਗ੍ਰੀਸ਼ਜ਼ਗਮਹਿਸੀਯਹਹੀਦਸਕ ਅਵਤੇਸੀ ीय नेयतरेह्यमड्यत्यतभेमयत्वीवको ग्रीग्वी ग्रामेयाभयाभः हसे गणिगहर ने गीए ने नी हता उना बराने न सूरी गाम खुए वरा गरे पर सम्ब्रमिश्रभथाडिमेग हराबिडिभभ उन्या १ र ग्रामहरू वर्गिन वर्गिन वानमिनानमिकाभभीवान्यव्यवस्वविवेचान्यस्विकानाः

थुगारिया गिरा सामा स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वासिक्षी मि इंडे नडथडउपरीया वीयवागां वार्षिक महिला है करी है विस्ता है करी है विस्ता कि वार्षिक के विस्ता के विस्त मगगद्वितिद्वामा मङ्गा वला विकास नी स्वापिय्रे वाला विपाल के पाउन्न विकास मानिया त्रव्यवम्यस्यम् प्रेन्ट्राक्षेणिकार्यम् । वित्रम्य प्रमानिम्यात्रिम्य वित्रम्थिभित्राक्षेण्या 13 थे के तरहर युनेयन दे के इंग्नेय वा है। श्वासन्य ग्वासन्य ग्वासन्य प्रमान स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स् ३० १ शिमारियुक जयजे स्त्रेपडी के भाडे भाडे भाडे यह विया हरा छ ने शिष्ठ भी उपार भाडे शासिय विया हरा है। चयनमः हरामे नसम्यान स्टिड स्टिड स्टिच क्ये कवडाना एक वीसा रिड एप रिन करना उनस् चनग्रिनितिनाचा। द्रीणां बनीहर्गन युवयानिकानिवेचे वेत्रोतिकानिकवीमा। व्यक्तिवस्त्रे उत्तरस्त्र बग्डिबक्षिडाई सम्डेडीमाणभड्य सड्योतिन मास्टिग्ड यह ग्रह्म ड वह ग्रह्म दिवा गाउरी पृष्ठि

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

मभामेमभथाइत्रमय्वायामभागित्राम् इक्त्याद्विस्त्राचे स्वीयमभाग्रमेवीके क्याहिम्सन क्रमेमुथमेथडसावेमुथमेथडवीकां व्रशासाह्यक्राबीयमबीमबाबीचाउउउ वह स्वाबीग्रवहरू गिर्वभागवस्त्र विस्ति । विशेष सम्बन्धि । विशेष सम्बन्धि । विस्ति सम्बन्धि । विस्ति सम्बन्धि । विस्ति सम्बन्धि । नर्छिविमारिस्य हिंदिरिक्षारिया हो के मंदीका। 38 भववियु राज्य भारतिया स्थानिस्य स्यानिस्य स्थानिस्य स्थानितिस्य स्थानिस्य स्थानिस्य स्थानिस्य स्थानिस्य स्थानिस्य स्थानिस्य स्थानिस्य स्थानितिस्य स्थ जम्भरमिना हान्यान्य निवास के सिन्य में सिन्य हा से सिन्य है से प्रमाण के हो से प्रमाण के प्रम के प्रमाण के प्रम के प्रमाण के प्रम के प्रमाण के प्रमाण के प्रमाण के प्रमाण के प्रमाण के प्रमाण के भक्षवस्वीपववरीणिहाती। इह डेवाडेति सवीच राम् सम्बन्धवति स्वरीण दे भगरे वार्षिकार्य । भगीरवरिवड हेर्गोड्ड हरांगार्ल द्वयाचे माभवाभूमका विकास विकास भागा भ गुगान्स् । अयमिलेम मुलेम सकेके अविश्वेम् अविश्वान । विश्वेम श्वेम भा डिशिंग्र मिन्य डिडी बाग डांप ब से बुस बांप वे अविष्य उविषय विषय विषय कि मान मिन्स है स्था मिन से स्था मिन स

99 राष्ट्र गी थ्वमथ्मुस्यस्थेयैं। वीय्ववाकडवेगडकवेव ग्रेवना वामेयें। उत्र म्विम लामभाडेक वि भम् याभयाभक्षेमेगागनेवैंकिन तह त्वाविभ हप्रवास स्पिम ह्यप्रमविगाग ३० ारिभवनमार कार्यात्र मात्र मात्र मात्र मात्र मात्र मात्र प्राप्त कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य रेपविपामाधारितमिवयां वाड्य वाडि भवा मसाभि विवति ।। मियारिअवड म मयंभगविमवियादिम्भवमयवियुवर्गियम्भियनभाग्राह्म गरिडविमवियाच्ड विवासमाथडीभमहम् छभ मडा। ४॥ गरी वाम चैर्ना व न का जिल्ला है। मिभिंदारेस्राप्यमाः मीडिग्बमंद्र्थमायामाः मीज्रभराखामः गणदेथ मैभ3१-दि१

उचिउरीकाग्रेवकवयीयकमंब्रजेवज्डंग्रेवचेयाम्ब्रक्षीकाविमक्षेवस्वयाडे त वेर्त्यभयभवभेत्रेवेंगभष्यस्मित्रसम्पायावेरमसिमरेद्रिवेवंग ३४ग जरहारमभस्भैरवभैरवभैरविविज्ञजन्यहाँगात्रभविष्ठेवभजीवभूषीभिज मि विडाभी बड़ी वेस्में हैं। भी व नृबह्व विध्वस्वस्वभाव वेम मवस विभिवें उभमभेडग्भरैरवैरवेरवेरवेरवेरिनमक्षेत्रें। ३५०० जनवम्त्रीयहरम् उत्रार्थि यांवे श्राणित्वयम्त्रीग्राख्येवानवथ्यानवस्ववे विधारमात्रभत्भात्राग्राख्यात्र भैडप्रेडप्डिबेसेनाभहेडभडिभेडण विव्याभक्रभव्यस्त्र वात्रडरीपभायभभ भेडण रहा गनारेनतवनामियिमरेमभमेमारे जं के भारे गभेवतवह स्रेवेमरे मभेश्रक्षतिमरवमार्रेण अत्रवस्वान माना नमाने विधान माविडा रेडोभेडें। खिवगर श्रवना दिगरेवेवेववरारी मियक्षेत्रें। ३१। गड श्रम व तव भाव वात्रवात्रवीत्रें

११ मा

भारेबारिभ मेव थारथेगा व थाद्वामा हम या रिष्टिया विगरियो व व भागगरिभगरिमब्रिके र्डन्वराना । ग्रामिउग्रीनविस्माने स्वाप्ये व्याप्ये व्याप 80 11 हिड वस् वर्णाया व मा वन्य आप्याम वा विश्ववाना मिवेब्ने युष्टु आप्य वा पा विश्ववा विश्ववा विश्ववा विश्ववा गनाग्यभ्रहर्वेद्धर विक्रह्मर्योद्धिमविद्धव्यीमा छिन्नेष्ठारित्रमञ्जेरवेरावित्रराखरोरेर भाहपीमण्य गर्वापञ्च विवाभेगीक्षेत्र श्रृते विवागक्षयित्र मचन गर्वे समिवा व वेतिभाषियभिवगाविष्महमग्रम्भद्ववहरावेग् अत्राक्षत्रविष्णभन्वै नेमभूर मगणेशविष्गी उभक्षिया । गाति वी उभव वी उसे पुष्ठ विष्य के प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रम के प्रमान के प्र नगरिभीगरिं अभिगर्निमें गर्भावेमारे मित्र व्यापित्र विश्व भारिव लामनारे चल्ने रामु रही निविदे लाम छ राम का गामिका वा मामिका वा भारिया वा

मस्त्रश्रामणाड्याडियमीमचवर्गहेणायामीमचवर्ग्वीहामण। असागम्रितस्प्रियस्प मैत्रअंडरेविधितनधेनामुभगमांविविधिपाडिहिस्त्रमग्रेविध्याभे स्त्रीयस्व स्था व्यासरारिवविवड्र तम्ड वत्र वस्तु वस्तु यम्ब वर्ग विवड्ड वसे १४४ गारिक श्रीकार्य समानिव विवडि वड्र रवी इवस्यां भाग ने प्रवाही है में भाग भाग विध्व र बुँ उत्रवश्रहवञ्च रुणेवयो वर्च देवितितीभ डित यो वर्गा वेत्र यो त्रिया वेत्र भवा भवत्र वर्गा वित्र भवि च के जिस्त्र में इस्का क्षेत्र में इस इस कार्य राज्य राज्य स्वापित के स्वापित तस्त्रिसहाग्राम्याचेग १ गंडव्यब्रिडि महेसमेले वे विसे वे स्वा विस्था विस्था विस्था विस्था विस्था विस्था विस्था वीम् डमप्यञ्जप्यञ्चरम् इति स्वार्थ्यश्चीरण्या है पहिंचित्रला है वंहें त्र्रात्रियहें य र्ये ती हि। थहा थै। वि वि उर्द्य सम्मान का प्राप्य वि म ने मुक्त में राष्ट्री गरी व श्वव व व स्ट्रा है न्ह म स

विथाविन्विन्विन्वस्था अविवेह्न विद्या विद्या वित्र वित ब्रॅंपरेवितेष्ठहेर्तुंपल्तेतेने। ४००म्बव्यिख्ट्रब्रिंग्ट्रवेग्ट्रवेग्ट्रवेग्ट्रवेग्ट्रवे वनमभत्र इतिनिभाषानि अवनिभाषा हरा अवस्ति विप्र एक इति स्टाप्ट तर प्रदेशस्यामका ग्राहिक विस्ति व चिंत्रकि विवित्र हरे भ्रष्ट्य वित्र पारित्र का वित्र मार्थित भाषा व्यवस्था वित्र का [†]मार्गाभीडवविद्यविम्ब्रवर्गिउरिउर्गिनाभेमेलभवस्वर्गिवरोत्वरोत्वरेत्वर्गिर्वरण कें अधिय्वियवन्ते। उद्याग्याराप्यापार्थिया विज्वी स्व स्व विज्ञानिया विज्ञानि वाष्ट्रीर मञ्बी उम्मिदाभिष्ण विद्यानी। अधिक विकास विवास व अगाग्यामिकाडित संग्रित सिथल वी जिप्ता भिया। क्रियमिवत तड्या पाइण्या स्

॥।।उग्रिक्ण चर्नल्येनरले में में ने इस्डामारण वथा हगरिंची प्रवार डिरिनेवेडव शिववंकण समिरिमरेनिसे विक्रियोगित समित्या मान्य वास्त्र विश्व विश् ਦਸਮੁਖਬਮਥਾਬਿਆਣਾ। = । ਹਦਲਤ ਚਮਰਚਾਰ ਚਾਰਚੇਦਸੇਆਤਪੇਤਾਸਿਤਸੇਹਾ। ਰਾਜਸ ਮਾਜਸਾਜਸਬੁਸ਼ੰਵਰਮਾਨੇਸ਼ਵਰਨਮਨਮੇਹਾ।ਤਾਕਤਤਾਂਹਿਤਹਾਤੇਤਰਕਮੇਤਹਨਿਤਨਯਤਤਕਾਲਾ। गजिमभीयभगीयसेववेरीयउद्ययवग्या । अभवविदिरह्छ उंगिय्डिब्छ मुसम भघरत्रयथाका रहेत्र राष्ट्र वर्ण वर्ण वर्ण में डेव्यामा माना गर्मे वरिव्र स्थ के डिव्रिय थरबभुबरश्रुख्यका उत्रस्मिक मुवैठ गुजैबरहुर हिस्ने तन्त्र हिपका विश्व मध्य विविग्धिव क्रियेक्षवे खुं छा मिल्डिम्स अधिमाने से द्विमें भवे विम्बलं डी गुम्म मु भरी उका उसी स्विक्ष उसा जी से हिए। श्वरव यव सवयव पवी वाविस्व व उ है व उना ने है ३ भीत्रभरितस्त्यिति सत्रभत्रभावत्र सित्रभित्रभावत्रभवत्रभवत्रभवत्रभवत्रभवत्रभेष १५ ग स गी

स्रीमेगर्यस्थ्यभूमे वा वमेन हिर्गरेव वे तनवस्थ्रीमें। गर्गम्तुनार रूपरे हुन्ड रिडीधममा जामा जावे स्वयमग्री हमरीव में भी का मिला के स्वयम् । विश्वीधमा स्वयम् । विश्वीधमा स्वयम् । विश्वीधमा स उमेड्नग्यथ्याडिणाडिणाड्याच्याच्याहेस्रागोवेर्ववववात्रस्वस्थात्रभागपो ॥ से वित्तर्मना मुने विद्या वित्र भेग भेग भेग भेग भ स्था मिस से सह सि उत्तर लाक्ष्रीहै प्रवच्चे वाण उपचा है से वा बाह भाडि वे वास स्मार पराप्र उमे वाण विश्वेर क्रिमचंगीतवगीतविद्यन्ति स्वरम् रस्त्रीयण गडिरेषिकार्यभाडेववेथवेष्वडरेव पिद्रीगाविपुस्तरा स्पादिमस्भाषिवस्ति द्विपुष्टा स्भाषीमा भाउष्ट्रियं उति।विभिगारि विामग्रवावः भागिभाहिवानेगा विविषद् संभाग ब्रुस्थाभा स्वविभागात्र मधित्र मङ्गेग

थकोयुवैस्वने डाए छिंडविकामा प्रमुक्त एता स्वित्र विमान वेत्र वा रिवाली विमे विसे विसे विसे विसे विसे विसे विसे वेक्तग्रहम्माभे ग्वान्यविद्यानासम्बद्धार्यान्यविद्यान्यक्ष्ट्रानुष्याः राज्यसम्बद्धार त्रम्मविद्वेद्द्रस्य नाम्यम्भित्रेष्ट्रभूम् विद्याप्यवित्रम्भावेत्रम् । लगोवनगहिन्। निम्निम्हमान्याः । गामिन्निग्रम्भत्ये व गर्थ विश्वपित्र विश्व के भूतर्थ स्वर्थ में विश्व विभागित में बेल विष्य है । विश्व के विश्व विश् विगरिषिमेम्यि चावेगरिभम्तिवरियात्र बीस्तवनगरिखीस्तव चर्रि चरेगा। भभ नेमिन्स् स्वान्य विद्या यींबाविध्वयभगिरस्वभेतिमान्गविनेवाधोगित्रवेतामया यस्विविन्यस्विगयस्व गगरूरमा वस्त्रमारे वस्त्रभारे विषयिया विषयि वि वै चे्चाविचग्रीभगमाधागध्ववद्विचभुभिवच्चन् री, स्र राभित्र प्राचार हरियां दे

न्ध राष्ट्र

वैपाग्रहमञ्च मैयम्थरेती जिन्नि विद्या विद्या विद्या में तीए एउं ने मयस की ज भभाविभाष्टी मञ्चलेत्यवविष्योगे ने से वेदे मित्र ना मत्र व्यो ने से से विषय मत्र प्यो ने से विषय मत्र प्यो ने स उग्वेरिभडीअविधिकित्र महिद्याम् उविधिकात्र विधिक्ष विश्वास्त्र महामान्य । एट् ਰਨਿਮਿਤ ਦੀ ਸਭਦਸ਼ ਵਿਸ਼ਾ ਦੇ ਨੇਵੇਨ ਦੁਸ਼ ਹਦੁਖ਼ ਦੀ ਹਾਂ) ਜਾ ਛੇ ਸ਼ ਗ੍ਰਾਮਿਕਿਨ ਸ਼ਾਮਾ ਸੁਣੀ ਦੇ ਸਤਦੇ ਖਦਸਜੀ वा । डांडेमी निजनीहरूमामा अनि हे स्वरह्य माग्य विभादम बहुव श्व वित्रे पे पे प्रमाहन भगामागारीयारीयस्व स्व स्वतारीपवेषातिमीभूपव्रवास्ताराक्रीवाजिस्तानिसंस्व स्वा विमारमभारमथा दरगडाव वास्त्रमिय मारिकाभ स्टामा देव बुविख पार्रगतिनथुव खेव त्रवेश्वजियिक्षायोगे वित्वस्तरहरू। गर्वहर्गिउउग्यम्बथ्हावेग्रह्माग्नाज्याकेरीभ विध्राष्ट्री रेह्र रिमास्पव रहेड समाउन हो । गयाहिमपीवप्रेड्ड धरिष्प

राभडीवाभडीडाग्देभिषेववरोष्ट्रीत्राथानाभगवामाग्वयामीडाग्येष्ट्रात्र वहराडाम हममभगमञ्जू उन्हें जे। मन्दलम् न ने ने न्या विडेडे के । १९ भारिभव वि विग्हरत्मि विग्हरत्मि विग्निस्ति । विग्नि रिथ्वाह्म रिप्रवाममाभिवित्र मियाप्योतिया प्राचित्र भवना विवित्र विश्व विविद्या । भवना विविद्या विविद्या । लडर नश्डब्स गराम् विभागी एपिया प्राथित स्वीत क्रिया डिलाडे विवास विभाग स्वाप्त स्व नाष्ट्री रिमास रेप्ट्र रेप्ट्र राज्य थी राज्य मुक्त मुक्त मिला का मुक्त कि मिला कि साम स्वाप के स्वाप के स्वाप से स्वाप के स्वाप यमेबिम्यु डेग्धीं । गनविक्षिवपविम्राधिवपवविषय् यस्त्र विवासिक्ष , विहमभानम् वे कित्रवे डामवण्यक्रिक्षे । विहमभानम् वे कित्रवे डाम्या । विहमभानम् वे कित्रवे डाम्या । ं वी विने बनरी गरिवलामवल विषये विवयं प्रेष्ट्रपिष्ठिय उपनिर्मा परिवासि

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

93 क स

थमानतवानत । हरवीरण वरतेता संभावसं हुसाम्ब्रामिशन वैड्यावेग्रात्व्यभारे वीच्यायियचडारी माड्यूमगोरी रीमच्येमवीरियर हुरा गारी <u> उद्यम्माडिवेथवास्त्र वैभयन वयानेमाडिविथा उद्या मिलिको विवान वृत्त्र वात्र</u> रेग्रिथाशी मित्रम्बम्बर्धराव्यक्षराव्यक्षेत्रवेग्रव्यांग्री । उत्रवाह्य बहु अथव अथार्य गविविद्यानित्रन्य व्यास्य देव जे स्वामित्र स्वामित्र विश्व वि ब्रक्षित्रियिबेस्बरमें ब्रेस्कर्में स्मार्डभे वेस्वभारिस वश्वविन्य वश्वयां श्रायां व भारीभारीभार्के वडिं के वप्रीक्षियारे। । विवेविष्रमेरो उउउ, डेरूरे ए मण्ड्यर ° के। सीरस्माल सीरेह डारिन घराचे गभ ध्राके ग्वाने गहर विनारिमधे स्र हे स्वेद भणभा वित्रक्षित्रक्षीत्रक्षीत्र का वित्र व

ਸਤਸਸਤਅਸਤਸ਼ੁਗਮਾਤਾ।ਨਿਸਚਹਟਲਨਦਲਨਹਿਤਗਰਜਤਬਰਜਤਰਘੁਕਲਤਾਤਾ। रेघ्रम् वस्कार्थे ना विश्वण स्ववन्त्र विभागान ना स्वानिक विश्व विष्य विश्व विश्य विश्व विष वडव्यास्का भवाभुब्धभाद्यास्य यस्य यस्य स्थापेवाष्ट्रीगमबस्याम् वर्षेत्रेसे थ्वंह्वयंह्विष्ट्रां भन्यवित्रव्योन्ग्रवीरेत्रवंभेवृत्रीतेत्रविवाह्राव्योन्ग्रवीय रिवेड्म्लमाग्रे बेम्बग्ह्र गड्य नारीहियगैड्यपिडिर्जियगिडिरजियग्री गमहम नग्रवीक्षेत्रगविविध्यक्षधीनग्रवीस्रवीं। गड्डक्थवेगुत्रजम्बमग्वत्रमद्वेग्ठवेड्र तगारित्रे में वासे भारिक्र विकास का कि सम्मान का कि समान कि समान का कि समान कि समान कि समान का कि समान का कि समान कि समान कि समान कि समान कि समान कि स वन्दान्त्रभागाभारत्थेथानेयथ्रुजावित्रभाष्त्रेष्ठभाविभाग्ना गयुह्नेमान्त्रमेव रियमित्रवेवयम् तवावेग्व्याम ग्रात्वामपांभमञ्जवेवर्गितारीवयावेग्उञ्चमम्बर सहरम्

१२ गरु भवेववेवनेभाष्टेग्वामस्वतस्वविद्वस्यवमर्गिवविषयम्बन्मात्रभा ॥ अत्रथ्बरिव स मविन्न निर्वे वह में इन के कि विन्ती तें एउ उपित विमानि कार्य की निर्वे कार्य गिछवनगरिउमिछवग्रिमें विवय्च चरामावग्योगमामुने वेडे नरबन्ति न्त्र विमाणवि ध्वरीयेगवासमवावें क्षवय्वावें घर वर श्वाश द्वां गेंगाभमवयां ने त्रम व वयावें न हत हामने नोर्गे। गान्विनीमानित्रमणिति विशेषहर इवनयर विश्विष्या उपार वारवीनभयारी दे । 'उड्डनयारीगानिबिविविदेगिविराम्बमानम्य् बुष्यैतय् विथानाग्याचिय् रूपमीगम् चनत्व। भनेविनयनगराकाः भनाष्ट्रिवीभिक्षवाष्ट्रिवेग्रिक्षेवमेमञ्चित्वाष्ट्रिम्बारीभन्याहि बीस्तरकेग्रेग्रेम्ग्र्ये असाव थ्वारी। ख्रुविम्तारी भाविष्वु अरीवाभ सम्तविष्व री जित्रेथ्यसम्बर्भाजीव वस्त्र विशिष्टि । विश्व वस्त्र विश्व विष्य विश्व विश्य

ग्वाहाबादि।।**यंश्चेयांग्याविवाधमावम** विडम्विभाग भें सम्हेसम्बेसबेस किया इर एडिके भाष्ट्रिक भग की विवी विचेत्र मन्य च वविपर्च एक में इंडा में मुंग मुंग मुंग मुंग है वरवरवरी वर्ग है वर्ग के स्वापना मार्ग ग्रावन्तर उन न राम् विस्थान स्वाप्त कार्य कार्य के वास्त्र में वास्त्र नामित्र कार्य उञ्चर हे रामुरितिस्थिया इस्वीय वास्याहरू माहरू युवन सब्देन इन्हित्सिर मिरियुर चन तथातगद्रमाथ गड्यम्बमानमानिद्युक्षाचेविवावतम्भश्रुणे जिवावसभाविकह्य ११ गरु

अंदरभावेष्ठभारतवीत्र स्वप्नस्ता गंस्हिमें प्रवीप्रविष्ठाम् व्याविष्ट्रम्भय ज् वस्रीमाळ्याचे ग्रायु इहि उवस्था सम्भार बु उट्टा विभाविभाव वन दिवस्था र मने न महिम . उत्तरम् वात्र कार्य उत्रवस्पेरस्य वार्षस्य वार्षित्र विद्याय उपार्य विषया वार्षित्र माने मेर्स ध्रमीहणम्मिर जीवग्नञ्च करवञ्चवग्नमङ्गिनजीवरवस्थेग वर्गभडभेग् स्वयं वेष् चिम्भर्ययम्मुधम्मेभः भभगोनस्यि।डियपियाडेव्यथ्याडेव्यथ्याडेत्रमभे उग्राउपिडे प्रवित्रमें व्लीब्लीमुवरेडण्क्षेगग्रभागग्याम्भारम्ख्याप्रवित्रिपार्श्वरम्बीमा नैमभवध्विथिंडेन्मनम्बन्द्रम्यगाभे वल्यीगा । ग्रिज्भहम्बम्बिम्यश्य विंपविध गरी मेरिड राष्ट्रिंम्भ मीमामिष्टेम विंमुभ र सिंगिर्यवथारी ग्वागरभगरस्थिभ ग त्र ब्रेटेभत्र स्टेवेभवा त्रभात्र रणावाभव ड त्र विव ड त्र वा अवत्र वा अवत्र वा अवत्र वा अवत्र वा अवत्र वा अवत्र इत्र विवाद का अवत्र वा अवत्र

मुनाराभ्यांत्रव्यभभितिरांत्रियांत्र्यात्र्याचीयगीय्याप्याच्यायां व्यवस्थात्र्या त्रीर्भु प्रथम् स्थान्य स्थान् ह बाविकेरविह्न मियारिएम् तिराभक्षक हर रबीप्राफ्त का समेरेके। खने वस्तरक्षेत्रे इमें बस्त्यक्षेत्र के वेश इटावाड थवमथ का विह्व व्यास्त विद्व हिन्द विष् द्वपर्गिलामे हे ज्ञाम स्क्रिते अनुम्माडिम चे डे देवरी चिग्येन विक्र वे छिया वर्ष व्याव तन्में पे उथ्या की मारे कि मारे पाविपाविपादित स्व वह वस्त्र स्व मारे स्था है व से प्रेसे प्रेमा विस्ता विस्ता प्रेस मार्ग वार्म वार्म विस्ता विस ागाविह्वं उन्हर्व प्राचिप्राचिप्राष्ट्रेष्ट्रेय गाष्ट्रेश्यिमा थे। वि उत्येर व उत्रिप्रोपे वि अधिते । उर्वका ३०० वे राजियोमारेबीमञ्जू विश्वासीमारेबीमथ्भाषण में इसेयनेबाम्बर भनेन नमर्गे नेनेनम्ग्रामन्त्रम् याद्रप्रेमेश्रीयाम्बन्डने नमन्त्रम् स्थाद्य

१° ग स

याली भेवरें वेव्यवीगानय वन्ने विवित्र मावह वीत्री व भहा निरी तेग वर्ष मु स्थातिम्बत्रम्थरातिम्बातिनातियभक्षीती। गडव्यख्यो रेपेवैपाउनेविवि थिवरवाभयागाथागभयावयारिवेडेवेड्रेचेड्रेचेड्रेचेड्रावेचाविचागायारिकाविषाराविषारात्र्यः " भेनु डेविड तड्यागामतड मियुद्रेनिस्पामियप्रि इस्त वच तर्भे वैद्यान व्यापा भारतिमार्वमार्वमार्वमार्वसार्वा गांधार्मभूमार्वे मार्वावत्वसामार्वावमार्भा मागागा विस्ने मुर्दे नागाग अवस्य सर्भ मुवाधिका विस्वामा भिराभाउष्यम् ने मेर्गिरिष्ण गेरें वर्गेया वर भावर नो एउट्डिस्न इपका गमित्रम्भित्र अत्र क्षेवरी वित्र के राध्वरिभारी गरिन व कर्षिय व

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

यविप्रमुवनप्रवयवयविचवत्रवम् वाया । जामुडेन्डे उपने उत्रवन्रियी जानिया

या। उज्ञान शामि अविरुध समिन वे नी हम सका थे। रविते ने नगन वन भी गने री गी गम

गड्या वी प्रयुव्यम्बर्यन्य विष्यु में भवर रिष्यं वी गिरियम्बिम वी प्रवाि

वडीवरीविध्वेद्यीवम्बिविह्यं नेग्यें डेडीतित्र विडेरीतभग खरेगी सम्बानेग डस्व

22.

ग स

सिनेरीरण मुक्रिडिण्यस्थ्रतस्य तहस्योष्यास्थ्रत्यास्य विन्यस्य विश्वास्य स्थाप्य स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्था वयोवस्थानामा ।। उत्रवेष्रीतरीतस्थराहतथाहतथाहतथान्तरावाभागाः तिष्ठ र स्व श्वामी श्वामी स्व विष्ठ थ्याउप्रिम्ति घरेष्ठ वरहरू हुए। गविम्गीहण और नडकें वीह नीह उहें हैं। वाभगभावे त्रांभिष्याभगविडेवबेवडीने सेवें नइडह्मीहिनाभार्यम्मारामा क्षेत्रें। श्चारेमवारेमवी केमयेमर्गिने वें। गाउं ने भाषिपारिव धारा में भाषित्र के स्थानिक विकास के स्थानिक के स्थ रमबीह्थीह्रमें सुभेग्नेभाडिभारभर्गक्रमें उमुरिवारयनगरता वाये। भन्नवस्थ्री

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

मेर्वापणग्रीयवीणग्रीकािपक्षवयगिरिगणपेगा उत्वाप मकाहिपकरी वगित्रममश्री गाडिकाडिकाडी भिडमीचग्रिमनमहाथी। माहियन्डी, जबियन्डी, जियन्डी, जबियन्डी, जियन्डी, जियन्डी, जियन्डी, जियन्डी, जबियन्डी, जबियन्डी, जियन्डी, जबियन्डी, जियन्डी, जियन्डी, जियन्डी, जियन्डी, जियन्डी, जियन्डी, जबियन्डी, जियन्डी, रभागगगगमस्यायसभासप्रमात्नग्राम्थय्यियतेगनगाडेनयपिष्रस्था । अभाग्यत्रगण्यमेभाग्यमा। गम्त्रिमवर्षयस्य प्रिवस्थायस्य । ट मण्मविनेवमा सामार्थात्य राजे मारिस्माडिमवमार्ग्य राजिवजेव व्योपपिष्ठिप् ਤਿਕਲਮਤਿਮਤਵਚਅਤਿਪੀਤਾ।ਮੋਰਤੋਰਕ ਹੋਵੇਰਪੁਰਾਤਕਅਹੈ ਸਕਤਕਮੀਤਾ। भग्वख्यनानीभेज्वीववीभम्बर्पागंडोभेडेवेवज्याभभाष्ठिक्रभभागेडीभाष्ट्रीगङ्गभभ थक्रेयांभवाभेत्रेश्वत्रावाभवाभेवीगाने ने वेनभयाभवांभस्ति राभवाभवाभेवीग

24

म स

वनवनिवन्येको नेतियान विकालको अनुवारित स्थारित स्थारे स्थार पिडरोहेडीस् तडरेम् वर्तेड रे भड़त्य बम्प गण्डि भिरुष्टि सिडिभे विस वभगविश्वारेण गम्त्रिलीप्याडिग्रभामगागिडामाउपारथाविश्वहण्याहिपा थावथार्या एतेल लेखे छे भारत हु हु । मुत्र डाहे डी धत्र विभावे शिवत भी घुनशीयत वाभागं ११ गत्र गाविमान्त्र हडिम वर्भागित्र हिमवावस्व सिगारे जित्र जिल्ला मुखिमीर्री पंगपिमीगवीपपाउँ उतुभडम् तिथक्षचयाउभडवस्पाउँ भाष्ट्रें। क्ष्यतम् विद्याने वस्ति । अस्ति स्वयं स उम्यवविव्यवतः वाग्रमा वडीवाग्येवेभाग्रिहिंहा श्रिमम्ममभय्पताम्त्रवट षीगा छिउ बी में तर हिडी थ तिन वित्र शुं अहिडी थ तड मा गाउं वी वित्र छ छ गङ्खडेङ्गानें ब्रेजिल्डामा। गडांपाहें। शब्दुरम्भपद्रमस्त्रपुर्य राज

76

क्रस्थोरणभ्याभ्यम् अस्टात्रस्टात्रस्ट त्रातिन्य वभयवभयवभयवभये । । चेवविखिंगिभडीहथ्वडे वगाईको प्रमथ्भेत्रपालवसुखास्त्रिअभिवरेषण गने मेरेजरेज इमडें माजिंड ऐम वारे अमेथ्या मुंडरी बरभ द सके दिंडी धरथंड यमग्वे छे पे यम प्रवेषण अमुति विधारा घ्रम् का विधारा विधार छीं मुलाई मंडाई में भिक्ने नाई निउने थे एडी ब्रम्स बजे भवन म सने प्रस ल्यवायवय्विय्वीति नथीतरीत अस्वतीग्व्यूवल उगित गरित के मानत्ववी उभाउन भी । उन्ने वित्रभगतिया है। ये वी गृहिय में स्था के गानि व गानि सम्में सम्मे म स

हर्गियवसे। विखेवना व स्टास्ट्रिस्ट्र बह्वबरोम्बार बरिट्डीनेगम्मित्रम्। डिम्माडिम्भडमानिष्ठभडादिभडविनेभाग् ब्राह्मि विभिन्न स्वाह्मि विभिन्न स्मिले । स्वाह्मि विभाव स्वाह्मि । स्वाह्मि गडां व्यवव्यविने अने विडमें ने मब्दाव्य ग्राप्त विभडम्ड थुव म्र उद्योग्य प्रमाडम्ड मडवाविनग्रागामिक्मित्रमुग्रीहरितम् उप्लेभिडिन्थ्याडिभिडिन्थ्यो भिरिह्मे अप वाभित्रे वजमवीयमाज्याका ग्रेंबिक्ने बारिम्बयविवविवयम्भ वववविष्णामणबुराणिप्रवंप भेरीने भारत रंगर रामणा भवित्र त्रें वित्र प्रमेश्वर वित्र त्या वर्ष कर रें भारत वा भी वर्ष कर वा भी वर्य कर वा भी वर्ष कर वा भी व्या कर वा भी वर्ष कर वा भी वर्ष कर वा भी वर्ष कर वा भी वर्ष कर व्या कर व् थितरुविवित्रतिके अमित्वविष्ठ विष्ठित्र में विष्ठित्र विक्रिया विष्ठित्र विक्रिया विष्ठित्र विक्रिया विष्ठित्र विक्रिया विक्रिय विक्रिया विक्रिय व विग्रेनुद्वेनुद्वियोग्नियम् व्याप्तिनामान्याम् वस्याप्ति । स्याप्तिनामान्याम् । स्याप्तिनामान्यापामान्यामान्यामान्यामान्यापामामान्यामान्यामान्यामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापा मुख्यावी का विकास मिल्या में मुख्या में भारती के मिल्या मि

28

वन्नेव्यवाध्येव्यव्याध्येव्यव्याध्येव्याम्मीमेर्ग्यामेर्थ्यग्रीड्यं विष्यं मनगाडानियहसंभवंभ मुडभ्यम् मुरमस्त्रमन्त्रम् मुक्रमन्त्रम् ।। गंगेउभम्बद्धत्विरिदेर तथडीरिंदेचनभेनीएसमा सन्तेडं अप्सामनतर्गित्र मनतर्म्य स्वाभित्र भीने । केत्रिन्नीयम्बीविध्यादेनीय विनाकीण्याभाग्रिक्येवयर वीवस्त्रमेवस्त्रमेवस्त्रमेव रिभारीए भगडममाउद्यमाउद्या दिन्द्रीय माडिम प्रमृग्री। वप्रीवरिस्तुवन भवासि उभित्र दिन्यु विवन्न मिनवन्त्री ग्लेस्के हा विनये से है हे स्कथ्त पंसानित भाषा वित्रथ्रायेभेभत्राये थ्ववन नवस्विप्रहायेण गम्त्रिजविन नहं नत्रव्यानमामानम्बस्ति बग्फेग्ग्रमरारिमरमारिणवित्रमत्युद्धनेभत्रभत्रख्येगभी गरगरिविद्धेनभी शीमिष्ठेरेवर्भ उविरीकारीधरेध्यतकथ्रकथ्रवय्यविषयविष्यविष्या "उव्वात्रभेडमेडमक्रीउक्षेत्रभेडम्रमे उभारेकागारभावरेथा दैचचरेथ उद्यमग्रमग्रमश्चात्रश्वेष्ठा । पह्रमृद्धा पह्रम् ।

क्रार्मकिक्ट्रहार थनइय्नभथर्थेयेवस्थावित्रव्यावित्रवित्रम् १८ ग्रामुक्रिमश्रम्वश्वित्रव्यव्येयन्वेयुव्यमेश्रा 80 वर्णितास्विभूतास्विज्ञितिज्ञास्य भावेष्ट्री। ब्रेबेख्वज्ञानतम् प्रयोध्यापिष्टिवे भहंपानी पारि TH B पारिबरभारिभारिभारिभारिमधारितिवारीए । गम्तितिधार्थितिवारिधारिकारिभार्भ रतिवीता विकेशितिवासिक विकारित के भय्मभीडेवयं के ग्रीडिमी डिमीडिवीडिकी म म्बर्विड मिरियेड कें। २०॥ शिमर्विड विवेरडिंड मिनिविवडेंडरिंडिमानी। चलेंगिल रामंत्रडलेंड हमें मिनिविनमान सम्मी। 那 भार्डित वीधित्रयार्त्राच्यव सम्मिन्द्रम्थराष्ट्री विश्विति वितिथ्यि विन्डिन्ड वडारे विकेरियारी। २१॥। स्विकार्मा हर्गित नाड न्या स्विधियार नाड प्रियेषे। रेड देव स्वापेष्ठ ਕਦਖਦੇਤਕਰਾਮਸਖਾਅਵਰੇਖਾਂ) ਸੁਨਤਸ਼ੁਮੰਤ ਸੇਤਭਲਭਾਖਨਰਾਮ ਸਖਾਸ਼ਨਿ ਨਾਮਾਂ ਸਿਲੇਭਰਤ छविड्वि व से में डिया मिडिया । र र गाडिय ने से सिरिया स्पिति या सिरिया से पिति से सिरिया से पिति से सिरिया सिरिया से सिरिया सिरिया सिरिया सिरिया से सिरिया सिरिया सिरिया सिरिया सिरिया सिरिया सिरिया सिरिया से सिरिया सि

रिमाध्यके

भराष्ट्रिकीथ्रेक्षेभाद्रिकेग्च्छीमेरम्ब्रमवाविग्डाविच्याच्ड्वेवाम्याद्रीग्मेड भडेगामुग्नेगड्वेगाभवस्ये स्ख्बस्ख्यी । १४ गामव्याभनमे संख्या वे निडंबेन उड्यान्थरेथा बलेडवडव्यामा जिस्सामा प्रमानिस्था विषेत्र विष्ठ विष्ठ विष्ठ विष्ठ विष्ठ विष्ठ विष्ठ विष्ठ विष्ठ व विडान विडान विज्ञान के कार्य के किया है। मिंग है व पूर्व वेन वंग्वा व वाम मध्य मध्य मध्य १५ १८ । विर्यासभीते बुवडभागाभत्रमित्रमञ्जेत्रमोडण बहुबबैं प्रियं सि भारी ब्रें के बिड के विराहित विराह रेरेगा है। चेडागिरास नव्यवयवय रेविवडे वेदेवश्री स्या चया विवास मामा विरविरवना ग्रेवेस्त्र । १ हण्या स्वाने वे त्रवे वे त्रवा मा विषेत्र है त्रवित्र । १ हण्या स्वाने विषेत्र वे त्रवित्र । १ हण्या स्वाने विषेत्र विष्ठ । १ विष्ठ व म्रामे वें म्राम्य विकास विकास के वित्र के विकास थेराधियमनगुनुष्टाष्ट्रेनेवाण १७॥ नतम्समभवडवडम्म तद्विम्बन्निविडम्बन्निवाण रण्यस्य सन्ये विक्रिन र रण्य र रिवर्स ने । उत्हें रहे गुवन र र में स्वित में गिर लेंड

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

१ इ. स भी

उप्भादिसम्बर्खं विमिन्मा अप्रिमेरेण १४०० प्रसिक्षण क्वरिक्षण मुख क्षीरमग्यम् अस्ति विकेत से सम्मेत्र का मुग्ति मार्ग विकास मित्र विकास से स्वार मित्र के स्वार मित्र मि रवम्भारिवर तार्यप्रतेनेडा हव बीरे तिवसमीध्र भरते ता १ ग्वास के तभी रवव येसवेड सम्सवित भसवित हे स्था मन्या अस्त मुस्ति स्व के सम्या मा स्व वित्र सम्या स्व वित्र सम्या स्व वित्र सम्या भी गाभी गहा ने भी ते गामिस प्रथं है गामिन गामि गामि गामि गामिन गाम वड्र तर्विवने भेत्रण्यार्थामाभागनवीड्यरण भग्रेरात्रीयेत्र्विवित्रवित्रमधीवात्रक्रभ तयतमञ्चलकारिकियक्षिक्वविकारिके स्वाधिक विववविवविवविवविवयां मामगरिवारे वर्णेमगरिवासंग्रीत्रेयां में तेविवारे रेगि मी अपने में विवारे वर्णे मी अपने से उद्यीभघ्काथिभाडिथ्मैरवैभारिभराधिस्थानेग्यक्षेत्रमंत्रव्सित्थाववीव्स देस्भिर्म भवभरेग्यभुने । भुरि द्विविषयं विषया दिया वर्ष हा व स्ट क्षेत्र के स्ट के स्ट के स्ट के स्ट के स्ट के स्ट के स

32 राग्रिश गीनव्यामेरवणविष्विग्रीमवय्यिष्वरात्रें याज्याप्रभागिरवेरवस् र्ररिंग नज्ने वैन रमण्य गाउँ विराधिय र ते विराधिय वे वे वे वे वे वे वे विराधिय विराधिय यमित्र सीलभगरियंग्रियवियविवाहे नाया स्थान विद्या मित्र सुद्य स्थान विवास सिन्द्र स्थान विद्या सिन्द्र स्थान विद्या सिन्द्र स्थान विद्या सिन्द्र स्थान सिन्द्र सिन्द सिन्द्र सिन्द्र सिन्द्र सिन्द्र सिन्द्र सिन्द्र सिन्द्र सिन्द सिन्द सिन् वार्गाम्रोतनवंग्रीतेराबारीए गरियारिसम्बिभाडिम्संभवये भट्टिममभारीए चसी भड़े य्भेरपाष्ट्रप्डिडणाडिमिधमभन्तम्येनीगम्डामेडामेवेडभंय्वीमिवि वाभाष्यमें गि। १३ ग्योमहिं हमा निजर्वथा में रामि मा अवस्थी खर्थ पारी गरिनव वमेंगावियाचराववासादिभसाभासपविवादीगिरीवासावराखरवाव मुवरवर नजनजनज्युरिदीरी म्भारहवधभाडिउवध्यविम्रथरी उत्तरिहीरी भगरेस्मिय्रिभाद्वेमवत्वमारिभगत्वदेमब्से व्यामम्यवष्ट्रत्वेवदिवेमेन ॰ रैनिकिणहरें बणहाम व वणहर हो बिकियं उपिया माना महों के गहर के

33

व स वा स काप्रधारवीस्क्रियार्थस्क्रियाचित्रस्यार्थः । भग्रिमु राष्ट्रियार्थः द्राभववधे चेने प्रम्य चराषी प्रयाद विरुद्ध वार्षिय विषय परिवर्षिय राभराष्ट्री है स्वाभवज्ञाने वेडोन भर्मेड प्रेरववेरेड बाममणं यकी गप्रिकेड भेडतर जभी है इसे हैं युक्त न स्रीग करें में से परं से हिस प्रेमिया है पर कि में पार कि स्था क्लारियकार्वेड सम्बर्ड डर्जनियी। पारियमा ग्राम्य मार्थिय प्राप्ति मार्थ न रागि वेडीभड़फरीपगगरीरेह्बारुंस्डीम्भरहवर्षनमनीपगर्गमारमपरग भगंभेरभीग्रास्त्रभगिभैन्नस्रिव्यभवैनुसङ्घेण्युवन्तर्याविन्तरम्यित्रन्त्रत्रिय क्रिनडराडम्बरभाष्ट्रेण्ड्सेदेव उम्रवग्वराविरवध्ययथ्यमीत्र्याष्ट्रीं भरग त्रपत्रब्रध्यत्रतें हार्ववडवाभथवयारीः १०।गरिम्गीमंद्रभणभूतिभातिवात्रम विजिमेरान्सिका रेड भागीममी मत्व र्री भाग माम युवत राभा थे प्राप्त कराव ग्रेमप्रियुग्रथगृष्टिप्यमभारीरणन्त्रत्मु उपियम् वस्त्रिभरीष्ट्रविचान्त्रवण्ड

34

वेरिस्त्रोतेगवावाद्यानिस्थारेद्वारिद्वविद्यान्याम्बरीतेग्राग्यानमानादिवानद्वे प ननेथाविध्वरविस्ण विद्ववार्थां विव्वार्थां विव्वार्थां विष्वार्थां विश्वार्थे । विश्ववर्थे विश्ववर्थे विश्ववर्थे विश्ववर्थे । विश्ववर्थे विश्ववर्थे विश्ववर्थे । विश्ववर्थे विश्ववर्थे विश्ववर्थे । विश्ववर्ये । वि प्रमान भगितन प्रमुवार मुक्ति विवाभ हित्य कु छै वा बेवे ने न मा छै वा छि उपनि ॥ ४॥ दिब्रहरूनी मभेडदेरेजी हारे खेव बने का भी वडे वडें डांग्ये बरे तरि बरे त्र लवभ वरेग्नेर्गेर्येर्वेरवेत्रेंभाभागात्र वन्त्रत्वन्त्रयात्रिप्तिवेशिम्तर्गे मडभगीमब्राम्य स्थान वर्षित्र वर्षेत्र वर्षित्र वर्षित्र वर्षित्र वर्षित्र वर्षित्र वर्षित्र वर्षेत्र वर्षित्र वर्षेत्र वर्य वर्येत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षे मित्रिपेप्रविक्षीने 'मुब्रमभवीवभीचभरभवस्य वियववासिकाधिकी स्थ ਪੁਰਜਨਬਚਨਸੁਨਤੇਸ਼੍ਰੀਨੈਵ੍ਰੇਰਪੁਵਰਪ੍ਰਤਿਅਤਿਹਿਤੇਬੇਲੇ।ਉੱਠਹਰਮਨੰਧਨਧਮਨਕ वर्षाविसम्मानमभारमेकाम्त्रिग्वव्यचग्रिवेग्धरेस्यविश्वराम्त्रिथयो

उत्मचे

४ इ ग स

तम् हर मध्यमाल ध्या हिंदा प्रतानिगता या विभागति । विभागति । त्वाम व्रवेभागात्वात्वाग्रहातः ग्रथ्यभथ्मेच्डरेच्यवेराधितस्य हेर्री खेवगागद्रमावयभारतम्। त्रियमगर्गमान्यमाने दिख्य केवय ववेडेववेभाराध्यतलंगींग्याभाइवेयत्रवेभाइवेयत्रभेमेश्विरितभागीग धंइमेंबेडें भाडि भडे वह धरु जो र जे ति मंशी कि से से इस है जिसे से स्वाप राभेडेसाभमाभारींगभाव्छवेभछवभछाभाखवीपारिमीडारिमानीडा डरीउपाह्मउत्वी अंग्रेडिय्ड मुक्तिमा अयापाहिक वर्षे वया विम गाविभाषावभाषानाभाष्ये। विथवगस्व वास्त्र वा विवव हरस्य वा हिव विथा जे भान न यती बी न न यती वन विज्ञी वणी विज्ञी कारी भाग मुस्ता के विज्ञा के विज्ञ चर्वेगेडेण्यातीय गामिलविस्टिनेस्थेनस्थ स्थानस्थ स्यानस्थ स्थानस्थ स्थानस्थ स्थानस्य स्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स

बक्षवांत्र वर्गेन वर्ग

 र हो गा हो विभागिलमाना ४॥ भगवान्तिने ।।भाष्यम्यभेउम्रेडिन्नीन्धमें ये उवी ਉਤਕਰਾਨੀ। ਅਸਰਅਧੁਮੀ ਅਗਛਦਮਛੇਦ ਬਗਦੇਜ ਬਜਾਨਿਕਜਾਨੀ। उरे ਕੁਯਾਦਨਸ਼ਕਨਆਪਾਦਨਅਨਗਨਮਨਤਨ ਤਾਵਨਾ ਜੋ ਬਿਚਾਰਿਆ ਸ਼ੁਚਾਰਿਸਾਗਵੇਤ ब्रेंबर्ग वेब्राम्बर्ग्स १११ च के मय हिमी बैडिंग रेडिंग रेडिंग वें अपने के स्थान गन्नियात्रेचारिष्ट्रचाववउड्वरिंगभणवस्थरिया।भामवर्ष्ट्रचारित्रमाग्वरम् चम्त्रिभाडिग्भावडेर्मीडगायेठे स्थानभिवने वेते वेविडेविड अडीडण रण उत्रवेहमाडिंग्डंहर्स्वविधेवंहरू छंहरगीया जावनी पना ची थें मंगीनितिते अ है वर्रहीरागारिभणर उपिप छपाहे अह अभार अख्य राति र के । स्रिक्य ग्रावेड रेस्था वे बिवाब हम्बेबावेग । ग्रास्था विवादिसंब स्वेब प्रेवपाडिं ।

वमवाधिर डेभिनेवन भनेगे। इरायुक्तिभारे वाधियादिक पाडि वक्षपाडिन चलडबर्गिवावभवत्रमवववयमं वथवाधियरवासी र वस्त्रित्र विचेडांप रवेतिन अध्य तथरथारीए उन्गारिभञ्च व्यक्ति विवात किथा तबा विप्त स्वमव रिट्पार्गे। छन्। भिन्ने बले के बक्षे बधार के लग्भी विराण राग्ये नाम वी नाम नाम उबाधीविवेववैत्रविद्यां मितिसारितवित्रवेता अस्त्र भावस्थित । 3 8 गत्र श्रियावित्र सम्बन्धित विद्वार विद्यार विद्यार बेच्यव्या भी डार्रिया के विस्था के व तिरभूतती गडामाने वा रिकारिकारिकारी मामिष्यी वडात की ए इसार डारी व भरुरक्षभगोउवानेवनु तनी उन्तर्याभणादि पित्रबंद्वादे भाभ देनपविधुन्द

यर का स

रडीवेंभरिडवेरिकेवाभरणवामे वाग्रास्था गाउँ भागवा वार्षिया वार्ष्टिया वार्षिया वार्ष्टिया वार्षिया वार्या वार्षिया वार्षिया वार्षिया वार्षिया वार्षिया वार्षिया वार्षिय भक्तान्यप्रियापीडय्रद्वितह इनेभामनडत्वेमें। हे इड भवाम थ्वामभामें अविराविस्के रहा वारिने में । इस वारिह भावाम थ्वा मङ्क्रमङङेनङ्ग्रिभेयोग्की तें छेब छेब भाडि छैथर नरु ने भरि **पर निय** तें। नाउनाप्रवीने। रेने। रेनवनी हम राम इने डेंग्स्मियि एप्यरे से रेने प्तरमामनाधेरेके। ३० गत्र्वात्रियनाउतनत्रवनगरं तेत्र्वत्रवत्रवस्त्राय वभभयवभभवभभाग्रांत्रभा विष्ववेद्यतभाति। ख्रुविच्चत्रथ्यव्यथ्यवे थियाप्रविष्विष्ट्रिंगधवर्धकारितिवारीभ्याभ्याभ्याप्रविष्याचे। मेरी डिउडीयत डीवर्रेमें वनीवनव तभागीं ग्रवस्थमभनमभे उपरेधेनभारी वेडाइर्माजीगरीमंबर्बवचनाविरमिवभंडेवच्चेचेजीग्वाहरभेवविष

वयवत उञ्चवन मनाविगतिन यवा यह तरी तन सी यह यह यह यह तरी तागति विष्नत्रत्रमणिवेवीयस्विवारीष्ठरीभाडिसीरण्यभागवाणित्रयावीयात्रिपञ्च • जिरी। भभभन्ना वेन वानु निया वानु कि विकास कि वि कडेलविभास्क्रामकु बागीए रहा॥ श्रुवियाँ श्रिके वियं विक्रिनी वियविक्रिभयाभय वयायेग्निविस्मितिसाराजसङ्ख्यास्टेसिसिसेसेमाविमायेग्वाभवाभगवामेश व्यविभाडिभाविभव्यक्रिंभे विन्तु संस्थित वारिभारी सिष्य म्याप्रिस विवयिष्य विधित्र विभी जाती । एवस्त्रे वेह मेरेहरे वे मर्था निवाहि के वोहरा था के एके एके कि सम्में के तर वा वा निर्वाण निर्माण नि

90

विवस

हकारि विविरित्तारिम गरेन व्यवस्थान गराना वार वे प्रवर्ग र वन्य स्थित विव तथ्यानाभगवेमु वर्गवे वन्गवे देवे नवस्य वस्य विस्थि रेग उप्तितर स् रडाविमभाराविधारविवारविवारविद्यारी। इरगिर्द्यामिजमुर्द्रनेभम् विवास वडमावडवथ्यद्वेतेमे विखीखड्रभत्याडिभडिवेखीडानियिषाङ्गिवडे में। रेह्वरेविरेधवस्पाडिवेभभगडिआडिर्धपागी भाडिभावडडर बुर्युवाग्रेड छिन् । विद्यानि । व । विचमय्ववेता नुः नुं नुस्य स्व उत्त विच नु । विच म्य विकास नि । तवितवी बाडाग ३४ गरुष्य नडिनी मितिन र बन शबर्वेय मतीबर्वेसी

१ च म स रेहत्वेप्रविरेहत्नु उड़ि वाभके भारत विधेत्रेतन सर्हा हर रारिमर श्र वस्थरभेका इथाएर उम्हिला स्व अवीडिय विवड र गीडिव मयाभागि यतवांडिस्भिराभरामियावेपुर्वतियाभियाभगाइग गाराग्यापुरुष्ठीण ਤਬਰਾਵਨਪ੍ਭੁਪਿਯਾ ਚੁਰਾਵਨਆਵਨਅਵਸਰਪਾਵਾਂ ਅਮਿਤਅਪਾਵਨਸਮ विमुण्हतथृ ह्य से व्यान्य विकास मार्थित विकास के वित्र के विकास के नाडिद्वर्थवनगृष्टिनगृष्टिमेनगृष्टिनग्रम् वनाउने वण १ गरिष्मदेथि हिमेथम भारिमि कावी अमेथा है प्रथमण ही के अमर अरु बुख वी जैरा वे बुख के हबहुरुनाग्डश्मनात्र युह्ड उभनग्रे प्रेया उपार नि डिसाग्र वि वेरा उपार वि ग्वियान्य वियान्य वियास्य विया मञ्जितारिडी घडारी । युक्तिडियन जेमुक छितेड मय मुब छिरेड मय वारी ।

यभ्यागान्सवन्द्वभिष्ठभ्ववंद्वभित्रवर्ग्द्वभ्राह्यस्याग्राम्भ्यवाद्वभेष्ट्रम् नर्भायां मध्यमवीएभी भडवुपेर्ने नंड इपामिववाविह्या रावाचिडावीए खगुउवा रावेभ राजुरी मङ्गारानंड याडिवेवी एथको भुगडि उन्ने प्राविद्वि उनि सम्बन्ध उन्ने । उन्ने अवस्थिते । म्पीभ रभित्र पीरभी रभाव खारी । युवयव जात्र भ वंत्र था ग्रात नगते खारी भ डिसा भी मिसे म थारि नियं वेस्ति विमुखं वे नयन महावेगा विनय वना है तवा वे माठ्य विर वे ग्वार थया वे तीगिमिल्डगहात्रभणंत्रबेक्षिष्ठाविष्मिष्ठभाविष्मान्त्रवाष्ट्रणंत्रे हेन्द्रवेद्वत्रवेद्वीतंत्रतेत्रविष्ठाव्या इसा जैरी रीमभी मध्म ब्रम्पिर के स्विमारण श्रेरवमे एथरे थ उपनिमार करा है। वर्वित्यमायाद्वेतरीत्रेयायग्रमेनेनेनेवानेनेम्खरावेष्ठारावेषात्रव चत्र मुतिभा त्रंपत्रैं र ति छले भी स्भातना सा विख्ने वैभागति ते वी में दिभात्र भ वना सा । उपवावि

43

य ब र र

वैतिवमुक्त भुक्ष डेंबेर्न नाभभएडिह्याण्येविविक्षिण्डियावियाविव्यव्हनामानभग्रह्या। ध्र ३४ गराष्ट्राचाविद्ववाभवातवानवावीथडडशेमरियडिशीमणाडरेमर स्क्रियंहरू वेव्यवीष्टे बनशीमण्चवममंग्रहभाग्छ स्यापे उत्रथ छन्। चेच संप्रोते सम्प्रीतम डिचेडचेडब्व मञ्जूग्रीडड्व्यो ३५ गमाडिन्थ्नीर ग्रीरम्थ्डीभारिन मचिन्य्यीर राज् था। डा वी देखें चवर भवरावा विनेत्र स्या दिवा विवासा। भावे स्य चरम् सम्बर्भ स्राप्ति भि उ खनर श्वर नियं या अवस्थिवानाग विश्विमास्त्र राथि अववस्था वह राथि है इस्ति है वानागा नांडेम्ब्रनवा वाह्वज्ञेन निवांडंडे वाह्य राभागांड्योभान्डेंडेव नेव्यव स्विभाण्यां भ विवाभाग २,१ भाउष्ठवाह्म अहस्मे अहर भावन् व्याप्त प्राचित्र वाभाविकाम अवस्था । विवास वाभाविकाम वाभाविकाम अवस्था । विवास वाभाविकाम अवस्था । विवास वाभाविकाम अवस्था । विवास वाभाविकाम अवस्था । विवास वाभाविकाम वाभाविकाम वाभाविकाम । विवास वाभाविकाम । विव भानिवचेद्गमनवाभाचणाडम्ब्राविववविप्रस्थानाभभाष्ठिवाभनग्रचित्रभाष्ट्रीगानिवेतवाडभे

धरामारेपारेप्डयगरेय्वमिनिवरायाणीबाङ्गहमउप्ममुमभमुमन्रेरन्रेरिउरुम योग गत्रवन्धनगरिमडगरियनभिद्यापारिभाषणशिमगरेगथितिमुनगरनायनी किलरण्डभक्रमनायथ्यश्यानार नियती वामनाय वीनमा स्वीतथा स्विचे वीणभ तेभामेव वगरेवावेग्हे च मेववगरेवाथेगे। गनारिमभीपमभीग्राउपखरुउ थ बीहमभेडमरूकमध्मेडमज्ञेण्डञ्चनद्राग्द्राभादावीवडद्याद्राथर थारेण गवानादि बीधरवें बीधरवें वानिस्थिधर रीरेगमे मुबरुभारे मुराद तब्राह्मभाग्रिय राह्म दी तै। इं डेंड्र भड़ा निमेब भड़ेब भमेब भागि बहु वभागे। उ **बुभमें बेने में बर्ज वे अपने के अपने अ** तनग्रवीयाची। यगभवसम्भेरमभाग्रीवागीवरत्रभाष्टी। नेतरिके वियेत्रभ श्री म

उर्दे छे बने तस्रै बन्धा ही गारिविध्वादी मियस्था रिया रिया मित्र स्था रिया मियस्था स्था स्था स्था स्था स्था स्थ तग्रस्यास्यास्य गर्भाग्यसिष्ठीये व्यवस्थात्र स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स राष्ट्री। उपमरित्रवरका शीभेभवदारी बहुतथा रीण उांडे में तबरी भे बाषी मांचवा कियी भारत ११ ग्यामिरेममञ्ज्ञारेम मुवैममिय रामावी ग्रामियारिमका व्यवस्था व क्षेत्रिष्ट्राचीण्यामनम्बन्द्रस्य रवर्ते स्विच्छेत्रित्र विक्षेत्रम्य क्षेत्रम्य क्षेत्रम्य स्विच्छेत्रम्य स्व राभाषिब रेभारे । १२ गमार महीभार मङ्ग्रथमि । उमुङ मुनममुद्धि अभेया है। सथे विसेख उवाभवाभभाष्ठिकाभम्भाभभावन्थे । দুর্গার এই পরি । বিশ্ব । य्वेञ्वरिश्वातवत्रवः विजित्रित्रिय्गात्रस्पति। १३गडवभावउम्रजभाउमुस्पारितरः शिभाषिछि विभाषाग्ववीमधी हि वी हिमें सि में स

46

हें) कड़ भी

ग्रें हुए जिंगाबारेब रिला प्रें अप्यान से अवस्था निर्मा से अपित कार्य कि स्थान के अपित के स्थान के स्थान के स रागिभविङ्ग्बङ्ग्वामिभविङ्गे गाष्ट्रबारिमचवयवञ्च स्वन्तिनिव या विभाविया है। ने ने मुर्छिद्ध स्क्रियिद्ध या द्विना व ग्रह्म विद्या के स्वार्थ के स्वार्य के स्वार्थ के स्वा जिमभानामान्य ब्रीनियेन बाव उपेण हमग्रि हुथ्य भीन भीन्य। विवेच वासि भववन्त्र विख्या विष्य के विषय के अपने विषय के ਰਆਯੁਧਅਪਾਰਕ੍ਪਿਤਾਰਿਆਰੀਬੇਚਲਾਏਾਤ ਬ੍ਹਾਰਿਅਨੀਘਨੀਵਖਤੀਨੀਰਾ भागवरवाजिकीरीणसम्बद्धवन्य धार्वद्वरीरवभाने मनेवविदिरीण विषक्रयवरूपत्र वहव बवरू भावित्र याविज्वत्य यावेण विष्व हव युत्र युवन य्वरधमानियम्धतविद्याने। वरेस्टरमणित्ररे मुमानिसरे परेणाउने ।

राममुभावप्रभावप्रमानित बाँग्रेम वज्ञान कृति। वृद्धां ब्रह्म ख्रुष्टा द्राया क्षेत्र भावति । क्रिकेलेम् जिल्ला के क्रिकेल के किर्केल के क्रिकेल के किर्केल के क्रिकेल के क्रिकेल के क्रिकेल के किर्केल के किरकेल के कि भ अग्र शेव वचन बाँच ही व सुने विविद्यों ने वहार ने गमी जाभाव तडाने गमे जाभिज भारतभारम् स्यान्त्र प्राचित्र वास्त्र मान्य अवस्था रण्यो मञ्जूमिभद्भववयोगास्त्रध्यत्ववस्रण् ग्राम्भवमानवात्रञ्ज हैं रागिनुबाक्षवाक्रमें प्रैं विवास महात्वेविविज्ञाने मुनवगृष्ट्रमण्डिजेड ਉपार्शित्वपविजे। गर्मेम्रार चंके श्रीवश्व श्रायेनेशिनरी च्युप्पादेश वस् गनवर्गनमनान्येथेच्छच्छत्रचंत्रेण्यविथ्यवंत्र्यपंरिमभाम हर्वयार्वियानापारपारेण्यत स्व नाखाहिखाबाबिमाक मुमाक मैसकेपारेण

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

48

इ. ग छ जी विस्तिरिगम्तरवेप्दरभ्रद्यस्य विद्यान्य विद्यान्य विद्याने तयर रापित र्रेस्य कि सर्व रेते के अविवादिस रोते स्थान स्थानिस विभाग विभागित स्थानिस स् क्षिबीप भरी पारी भार करते हु गी छ छ छ छ मारी ए छ थि भ वि छी चर भेषु नशे धर युह्नीहिह्यहिं श्रीयागाठिवेवयवाणभाविभागिसियावित्रवेभाडीयाग तनगनग्डणविद्यवनतभाविपात्रिस्वविवे**द्यव**त्रतिनचनत्रगङ्गम्बरुत्रदेवस्त्रष्ट्रिपावे थ्याविश्चिमस्यवस्य गाञ्चामध्येषाधिश्वासितस्यववयस्यामानावाउन चित्रङारित्रनागाउनगाउनकात्रनामाणाञ्चनेहउम्यमेहउगर्वत्रमेहउनगरिनगाणानञ् उभेडें स्थ्यां जिथा जिथा विश्व खहिच खंखेग मृतिव भुरे एत च्या विद्या विद्या

थवारी में स्वामं वार्य में ते वा में या वा अवस्था स्वास्था स्वास्य स्य मन्भिय्रिमें किष्णिया उन्हें वित्र क्रिया उन्हें वित्र स्था कि वित्र स्था कि वित्र स्था क्रिया वित्र स्था थर्डियारोग गामना मानिस्त्रे वेंस्ववग्रीने स्व बन रवे स्विग्रेग स्वीप्रमारा रिवेस्ववग्र तेत्रविधेत्रविधावेगव्ययुन् गाउत्मवानाचे नह्न इनेगाभीतनगापी गरियुवम्यमावीवमवे मग्रत्रभग्रयमग्र उत्रथात्रभतिथागी।धात्रथात्र व्याचार्यात्र वात्रभात्र प्रभाविष्यो।स ध्यमिक्यमाम्मरविद्यमुविद्यव्यव्यविव्यवेगः गर्वे मुचेत्रभ्यमेत्रस्थेमस्युह्मेचेत्र थ्यीरगरीत्मधुग्रमें सुग्रम्भिन्या प्रस्ति । अस्ति । अस वेश्वभासीएत्वव्यत्ववेत्रविक्रितिमित्रीतिम्बक्भतवात्रम्भति स्थापित व्याष्ट्राहरवर्ग वाहरवी असि याहरवा विवीती। प्रवस्के वर्वे सेवसे विस्तायिन प्रथिवव

ी के कि

भभवचर्तात्रवानिके हेत् में वेड गाया विभागित स्वीत्व स्व स्थित स्वीत स्वाति स्वा गडा । तडा हड गडा देगा डा हा है सम्बंदी । हे बात पुर पे भाग दुव्य बचु विम् हु गडि थाशिएसियनविभ्रस्तुरिय्वारितेवन कर्वान्द्रवेच विनार्थाए र्गापुरिमतभाराभवां क्रमार्देग्निएस्मक्रिश्रंश्यद्वेश्वेद्वेश्वेद्वेद्विद्युष्ट्रम्बिन्न्युम्बिन्न्युम्बिन्न्युम्बिन्न्युम्बिन्न्य तभारतम् नष्ठस्य तवर्गिन्यतितनगणान्नेनिय्व वर्गन्ति भाव स्थानि रवेखके व भगसा १ गा गहरी से मार मारिया प्रविति की भिन्न मार ग्यू विकास गार ग्राम्य प्रवित्त विकास गार ग्राम्य प त्रम्भागिउउ विश्व शिउमार्ड आर्थित उग्र उवस्तिमार्थ का विश्व प्राथ अस्ति । प्रभागाले वैद्वार वाविद्वारवेन्थ न्वरधुवरवाना भागाले विरुप्तार वात्र व्वरप्रदे बुग्डब्रिंगभारी रागा खरेखा विस्था थे हुन भड़ वर्ष में ग्रामा निर्मा प्रमाने पता पैरमविवयोनिपिविवन्ते के। उत्रित्य प्रित्र वित्र रहित्र रहित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र

विष्यात्रीय स्थाने अस्ति विष्य विषय महिन्य रवभगवितकात्ववनाति। यस्य वन इस्मिश्याकि रिते वेसी जनगरि श्राप्ति नामि बरुत्रातरात्रां । जन्म दे हुड महत्त्रा ये तहा भा देविया भूषा था यह तरह नरमा उन उत्तयविग्रभण्डनरिग्रभक्रे किर्न्भोपेरविखवग्रीयतिखग्भस्तियभ्येष् वमग्रविवस्ट रणमग्री वम् मवसम्यम्यमानणस्त्रभर्गार्डी गर्गने रेगिने दे निकानीविक्ता हा प्रथि स्वापनिक्षित्व के निकारिक के निकार देभभमेथ्रायमभ्ययभावमेथउथयाभगरमार्थिभारिमेथवजेनत्छजे प्रभागविष्यविमेगिरिये विस्तान्य व्याप्य विस्तान्य विस्ता गल्डोम्भवागादिगगलानेजोङ्गोनेम्भमेड्मभेडमभेडमभेजभणिभण्डउम्भल्ख वेड्राणितभाविवारभारवारव्यववग्रामितिरित्तमन्त्रमभेड्याभार्उवसेड्रसे